चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 21 जुलाई 2026, अंक –316.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

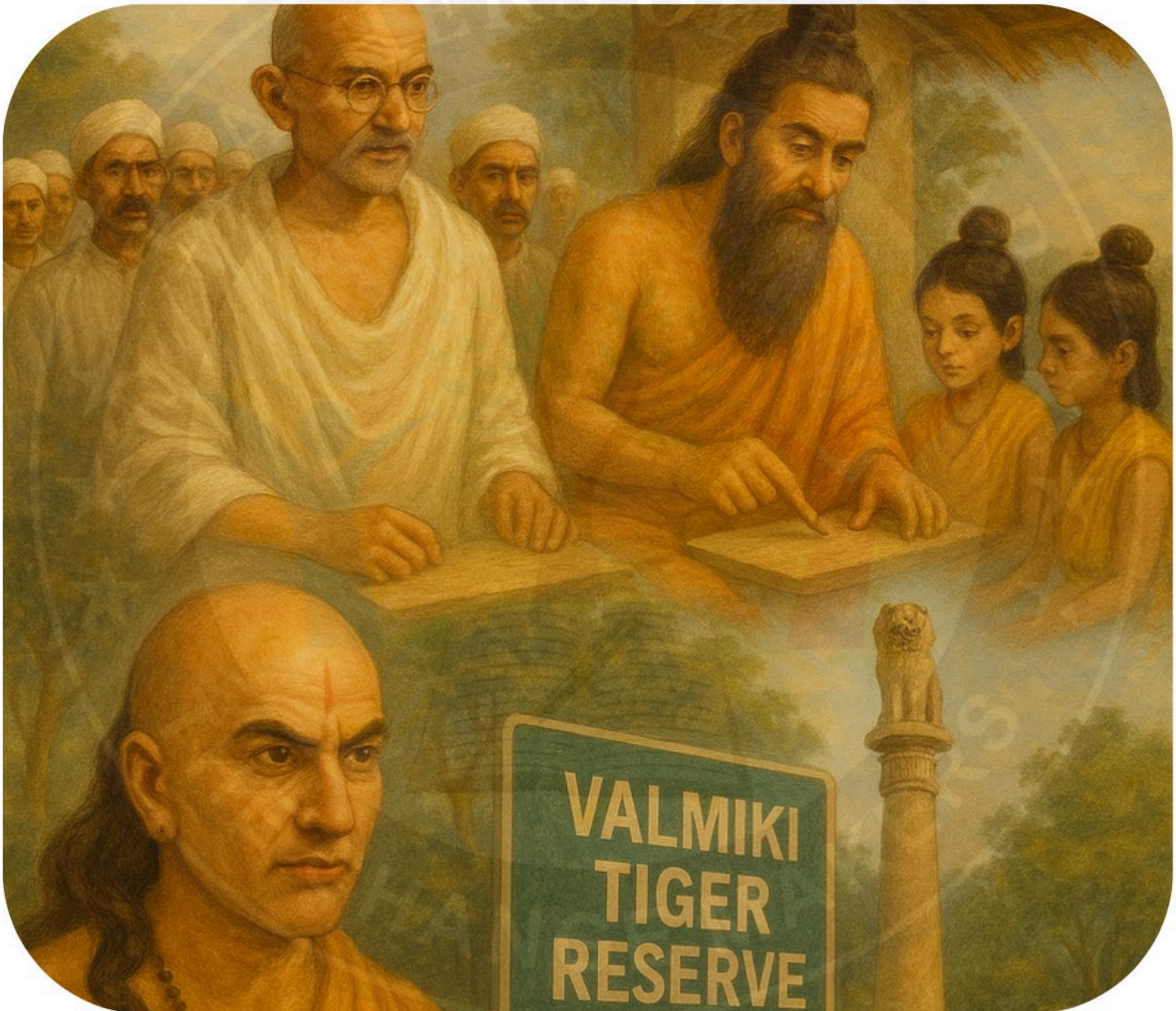

"विद्या ददाति विनयं।" (विद्या विनय देती है)।

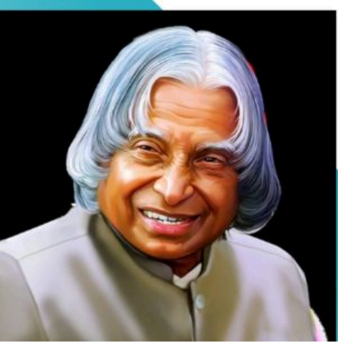

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

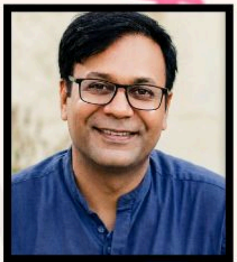

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नेपाल की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: नेपाली रुपया
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री कौन थे?
उत्तर: राकेश शर्मा
प्रश्न 3. 'सत्त्रिया (Sattriya)' भारत के किस राज्य का शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: असम
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के केवल एक ही गुणनखंड (1) हो, तो वह कौन-सी संख्या होगी?
उत्तर: 1
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'जलमंदिर (पावापुरी)' किस महापुरुष से संबंधित है?
उत्तर: भगवान महावीर
प्रश्न 6. नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 7. पेनिसिलिन की खोज किसने की थी?
उत्तर: अलेक्जेंडर फ़्लेमिंग
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में बच्चों को खतरनाक उद्योगों में काम पर लगाने का निषेध किया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 24
प्रश्न 9. 'चंद्रमा' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: शशि
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में भोजन का पाचन किस अंग से प्रारम्भ होता है?
उत्तर: मुख

संकलन:-

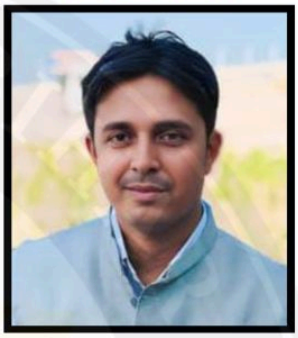

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Refrigerator – (रिफ्रिजरेटर) – रेफ़्रिजरेटर / फ्रिज
Television – (टेलीविज़न) – दूरदर्शन / टेलीविज़न
Remote – (रिमोट) – रिमोट नियंत्रक
Washing Machine – (वॉशिंग मशीन) – कपड़े धोने की मशीन
Mixer – (मिक्सर) – मिक्सर / मिश्रक
Grinder – (ग्राइंडर) – ग्राइंडर / पीसने की मशीन
Vacuum Cleaner – (वैक्यूम क्लीनर) – वैक्यूम क्लीनर / धूल साफ़ करने की मशीन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Let's... Sentences (आओ/चलो...)

आओ पढ़ाई करें। – Let's study.
चलो खेलें। – Let's play.
आओ गाना गाएँ। – Let's sing a song.
चलो घर चलें। – Let's go home.
आओ अंग्रेज़ी सीखें। – Let's learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 21 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: बेल्जियम का राष्ट्रीय दिवस (Belgian National Day)
व्याख्या: 21 जुलाई को बेल्जियम का राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह 21 जुलाई 1831 की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में मनाया जाता है जब राजा लियोपोल्ड प्रथम ने बेल्जियम के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेकर देश के पहले राजा बने। इस प्रकार नीदरलैंड से स्वतंत्र आधुनिक बेल्जियम राष्ट्र का उदय हुआ। बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ (EU), NATO और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों का मुख्यालय है — इसीलिए इसे "यूरोप की राजधानी" भी कहते हैं। बेल्जियम का UPSC में महत्व इसलिए भी है क्योंकि NATO और EU के केंद्र के रूप में यह भारत की बहुपक्षीय कूटनीति से जुड़ा है।
संदर्भ: 21 जुलाई 1831 को लियोपोल्ड प्रथम ने बेल्जियम के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेकर देश के पहले राजा बने। (Diplomaticinformer) nationaldaycalendar.com July 21; European Commission Speech Repository.

प्र.2. 19 जुलाई 2026 को FIFA विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता — यह किस स्कोर से था, निर्णायक गोल किसने किया और यह स्पेन का कुल कितनाँ विश्व कप खिताब था? (समसामयिक घटना)
उत्तर: 1-0 (अतिरिक्त समय में); निको विलियम्स (Nico Williams); दूसरा खिताब
व्याख्या: स्पेन ने मेटलाइफ स्टेडियम, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) में 1-0 के अतिरिक्त समय की जीत से FIFA विश्व कप 2026 जीता। यह स्पेन का दूसरा विश्व कप खिताब था। (Wikipedia) निर्णायक गोल निको विलियम्स ने अतिरिक्त समय में किया। अर्जेंटीना के मिडफील्डर एन्जो फर्नांडेज़ को दूसरे पीले कार्ड के कारण लाल कार्ड मिला जिससे अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ खेला। (Wikipedia) स्पेन 2010 के बाद पहली बार विश्व कप चैंपियन बना। स्पेन पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गोल खाकर किसी भी विश्व कप विजेता की सबसे मजबूत रक्षापंक्ति बना। (Wikipedia) तीसरे स्थान के लिए इंग्लैंड ने फ्रांस को 6-4 से हराया।
संदर्भ: npr.org Spain is the 2026 World Cup champion, 19 July 2026

प्र.3. "भारत एक खोज" (Discovery of India) किसकी रचना है और यह पुस्तक किस कारागार में लिखी गई थी? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू; अहमदनगर किला कारागार
व्याख्या: "इंडिया डिस्कवर्ड" अथवा "भारत एक खोज" (The Discovery of India, 1946) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की एक महत्वपूर्ण कृति है। यह 1942-46 के मध्य महाराष्ट्र के अहमदनगर किले में ब्रिटिश कारावास के दौरान लिखी गई। इस पुस्तक में नेहरू ने सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक भारत की सांस्कृतिक, दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक विरासत का विश्लेषण किया है। इस पर आधारित दूरदर्शन धारावाहिक "भारत एक खोज" अत्यंत लोकप्रिय हुआ। नेहरू की अन्य प्रमुख पुस्तकों में "ग्लिम्पसेज़ ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री" और "एन ऑटोबायोग्राफी" सम्मिलित हैं।
संदर्भ: जवाहरलाल नेहरू — "The Discovery of India", 1946;

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में "खाद्य जाल" (Food Web) किसे कहते हैं और यह "खाद्य श्रृंखला" (Food Chain) से किस प्रकार भिन्न है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: परस्पर जुड़ी अनेक खाद्य श्रृंखलाओं का जाल; एकल रैखिक श्रृंखला बनाम बहु-मार्गीय जाल
व्याख्या: "खाद्य श्रृंखला" (Food Chain) एक सरल रैखिक क्रम है जिसमें एक जीव दूसरे को खाता है — जैसे घास → टिड्डा → मेंढक → साँप → बाज। "खाद्य जाल" (Food Web) अनेक परस्पर जुड़ी खाद्य श्रृंखलाओं का एक जटिल जाल है जो किसी पारिस्थितिक तंत्र में पोषण संबंधों की वास्तविक स्थिति दर्शाता है। वास्तविक प्रकृति में कोई भी जीव केवल एक ही श्रृंखला में नहीं होता — मेंढक टिड्डे के अलावा कीड़े भी खाता है। खाद्य जाल अधिक स्थिर होता है क्योंकि एक प्रजाति के नष्ट होने पर वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होते हैं। ऊर्जा का प्रवाह सदैव एकदिशीय होता है — उत्पादक से अपघटक की ओर।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 15 Our Environment, p. 196–200.

प्र.5. "बंगाल विभाजन" (1905) को किसने रद्द किया और किस वर्ष — तथा इसके परिणामस्वरूप कौन सी नई राजधानी बनाई गई? (इतिहास)
उत्तर: लॉर्ड हार्डिंग; 1911; नई दिल्ली
व्याख्या: 1905 में लॉर्ड कर्ज़न ने बंगाल को विभाजित किया जिसके विरोध में व्यापक स्वदेशी आंदोलन हुआ। 1911 में गवर्नर-जनरल लॉर्ड हार्डिंग ने दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन रद्द करने की घोषणा की। साथ ही उसी वर्ष ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से बदलकर "नई दिल्ली" कर दी गई। नई दिल्ली का आधुनिक स्वरूप ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियन्स और हर्बर्ट बेकर ने डिज़ाइन किया और 1931 में इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ। बंगाल विभाजन रद्द होने से हिंदू-मुस्लिम एकता टूट गई क्योंकि मुसलमानों ने पूर्वी बंगाल को मुस्लिम बहुल प्रांत के रूप में गँवाया।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 20–22;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "बाढ़ का मैदान" (Flood Plain) कैसे बनता है और उत्तर बिहार में गंगा, गंडक और कोसी नदियों के बाढ़ के मैदान क्यों विशेष रूप से उपजाऊ हैं? (भूगोल)
उत्तर: नदी के बाढ़ में अवसाद जमाव से; नवीन जलोढ़ (खादर) मिट्टी
व्याख्या: "बाढ़ का मैदान" (Flood Plain) वह समतल भूमि है जो नदी के दोनों किनारों पर उस समय बनती है जब बाढ़ का जल अपने किनारों से बाहर निकलकर अवसाद (मिट्टी, रेत, गाद) जमा करता है। यह अवसाद "जलोढ़ मिट्टी" (Alluvial Soil) कहलाती है। उत्तर बिहार में गंगा, गंडक, कोसी, बागमती नदियाँ हिमालय से अत्यंत उपजाऊ "खादर" (नवीन जलोढ़) मिट्टी लाती हैं — इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फेट और पोटाश प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसीलिए बिहार का तराई क्षेत्र धान, गेहूँ और गन्ने की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। "कोसी" को "बिहार का शोक" कहते हैं क्योंकि इसका मार्ग परिवर्तन विनाशकारी बाढ़ लाता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 18–20;

प्र.7. भारत में "लोकपाल" (Lokpal) की स्थापना किस अधिनियम के तहत हुई, यह किन व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जाँच कर सकता है और पहले लोकपाल कौन बने? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013; केंद्र के लोकसेवक/मंत्री/PM; न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष
व्याख्या: "लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013" के अंतर्गत भारत में लोकपाल की स्थापना हुई जो केंद्र स्तर पर भ्रष्टाचार की जाँच करने वाली स्वायत्त संस्था है। लोकपाल प्रधानमंत्री, मंत्रियों, संसद सदस्यों और केंद्र सरकार के अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों की जाँच कर सकता है। मार्च 2019 में न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष भारत के प्रथम लोकपाल बने। यह "अण्णा हज़ारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन" (2011) का परिणाम था। राज्य स्तर पर "लोकायुक्त" समान भूमिका निभाते हैं। लोकपाल में अध्यक्ष सहित अधिकतम 8 सदस्य होते हैं।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 10, Ch 3 Democracy and Diversity;

प्र.8. "पाचन तंत्र" में "अग्न्याशय" (Pancreas) के क्या दोहरे कार्य हैं — यह किन एंजाइमों और हार्मोनों का स्राव करता है? (विज्ञान)
उत्तर: बाह्यस्रावी (पाचन एंजाइम) और अंतःस्रावी (इंसुलिन/ग्लूकागॉन); ट्रिप्सिन, एमाइलेज, लाइपेज़
व्याख्या: अग्न्याशय (Pancreas) एक "मिश्रित ग्रंथि" (Mixed Gland) है जो एक साथ दो प्रकार के कार्य करती है। (1) बाह्यस्रावी कार्य (Exocrine): "अग्न्याशयिक रस" (Pancreatic Juice) उत्पन्न करती है जिसमें ट्रिप्सिन (प्रोटीन पाचन), एमाइलेज (स्टार्च पाचन) और लाइपेज़ (वसा पाचन) एंजाइम होते हैं। यह रस ग्रहणी (Duodenum) में पहुँचता है। (2) अंतःस्रावी कार्य (Endocrine): "लैंगरहैंस की द्वीपिकाओं" (Islets of Langerhans) में "इंसुलिन" (रक्त शर्करा कम करती है) और "ग्लूकागॉन" (रक्त शर्करा बढ़ाती है) हार्मोन स्रावित होते हैं। इंसुलिन की कमी से "मधुमेह" (Diabetes Mellitus) रोग होता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes, p. 99–102;

प्र.9. "मोहिनीअट्टम" (Mohiniattam) शास्त्रीय नृत्य किस राज्य की नृत्य शैली है — इसका नाम किस पौराणिक संदर्भ से आया है और इसकी प्रमुख विशेषता क्या है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: केरल; विष्णु के "मोहिनी" अवतार से; लास्य (कोमल) शैली
व्याख्या: मोहिनीअट्टम केरल की एक शास्त्रीय नृत्य शैली है। इसका नाम "मोहिनी" और "अट्टम" (नृत्य) से मिलकर बना है — मोहिनी भगवान विष्णु का स्त्री अवतार है जो देवताओं को अमृत पिलाने और राक्षसों को मोहित करने के लिए धारण किया था। यह नृत्य शैली मुख्यतः "लास्य" (Lasya) — अर्थात् कोमल, भावपूर्ण और स्त्रैण — अंग की है। इसमें शरीर की मंद, वृत्तीय और लहराती गतिविधियाँ होती हैं। परंपरागत रूप से केवल महिलाएँ इसे प्रस्तुत करती हैं। 19वीं शताब्दी में स्वाति तिरुनाल ने इसे प्रोत्साहित किया और कल्याणीकुट्टी अम्मा ने आधुनिक काल में इसका पुनरुद्धार किया।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 77–78;

प्र.10. बिहार का "बेगूसराय जिला" किस उद्योग और किस नदी के कारण विशेष रूप से जाना जाता है — और यहाँ स्थित "कांवर झील" का क्या महत्व है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पेट्रो-रसायन उद्योग (IOCL), गंगा नदी; एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की ऑक्सबो झील
व्याख्या: बेगूसराय बिहार का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक जिला है जो गंगा नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। इसे "बिहार का लेनिनग्राड" भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ वामपंथी आंदोलन का ऐतिहासिक प्रभाव रहा है। यहाँ "इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) की बरौनी रिफाइनरी" स्थित है जो बिहार की प्रमुख पेट्रो-रासायनिक इकाई है। "कांवर झील" (Kanwar/Kabar Lake) बेगूसराय में स्थित है जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की "ऑक्सबो झील" (Oxbow Lake) मानी जाती है और 1989 में रामसर स्थल घोषित हुई थी। यह प्रवासी पक्षियों का महत्वपूर्ण आवास है।
संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal; IOCL Barauni Refinery Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, "बाढ़ राहत शिविर" (Flood Relief Camp) में विद्यालय के बच्चों की देखरेख हेतु शिक्षकों को क्या-क्या विशेष ध्यान रखना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: नाम-पंजी बनाएँ, स्वच्छता सुनिश्चित करें, भोजन-पानी की निगरानी, मनोरंजन/पढ़ाई जारी रखें

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ राहत शिविर प्रबंधन मॉड्यूल (जुलाई W4) के अनुसार, शिक्षकों को राहत शिविर में निम्न कार्य अनिवार्यतः करने चाहिए: (1) नाम-पंजी: सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करें और बिछड़े बच्चों की तलाश के लिए प्रशासन को सूचित करें; (2) स्वच्छता: बच्चों को हाथ धोने, शौचालय उपयोग और स्वच्छ परिवेश की आदत बनाए रखने में सहायता करें; (3) भोजन-जल: केवल स्वच्छ जल और पका भोजन ग्रहण कराएँ — दूषित भोजन से बचाएँ; (4) मानसिक व शैक्षणिक निरंतरता: बच्चों को कहानी, खेल, गीत और सरल पाठ्यक्रम गतिविधियों में व्यस्त रखें ताकि मनोवैज्ञानिक तनाव कम हो; (5) चिकित्सा: बीमार बच्चों को तुरंत राहत शिविर की चिकित्सा टीम को सौंपें।

संदर्भ: BSDMA Flood Relief Camp Management Module, July W4; bsdma.org;

प्र.12. स्पेन अब तक 2 बार FIFA विश्व कप जीत चुका है। यदि अगले 3 विश्व कपों में स्पेन, ब्राजील और अर्जेंटीना क्रमशः एक-एक बार जीतते हैं — तो 2038 तक इन तीनों देशों के कुल खिताब कितने होंगे और तीनों का मिलाकर कुल योग क्या होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: स्पेन = 3, ब्राजील = 6, अर्जेंटीना = 4; कुल योग = 13

व्याख्या: वर्तमान खिताब (2026 के बाद): स्पेन = 2, ब्राजील = 5, अर्जेंटीना = 3। यदि अगले 3 विश्व कपों (2030, 2034, 2038) में एक-एक खिताब मिले: स्पेन: 2 + 1 = 3; ब्राजील: 5 + 1 = 6; अर्जेंटीना: 3 + 1 = 4। कुल योग: 3 + 6 + 4 = 13। यह प्रश्न "भविष्य की शर्तों पर आधारित गणना" (Conditional Arithmetic) का अभ्यास कराता है। इस प्रकार के प्रश्न तार्किक क्षमता, खेल GK और बुनियादी जोड़ को एकसाथ परखते हैं — जो BPSC, SSC एवं Railway परीक्षाओं में सहायक है।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

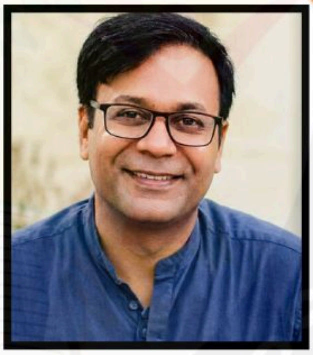

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Quandary (क्वॉन्डरी) = Dilemma (डाइलेमा) = दुविधा / असमंजस की स्थिति
Antonym – Certainty (सर्टेन्टी) = निश्चितता

Reproach (रिप्रोच) = Rebuke (रिब्यूक) = फटकारना / भर्त्सना करना
Antonym – Commend (कमेन्ड) = प्रशंसा करना

Scrupulous (स्क्रूप्युलस) = Conscientious (कॉन्शिएन्शस) = ईमानदार / अत्यंत सावधानीपूर्वक
Antonym – Negligent (नेग्लिजेंट) = लापरवाह

Truncate (ट्रन्केट) = Shorten (शॉर्टन) = छोटा करना / संक्षिप्त करना
Antonym – Elongate (इलॉन्गेट) = लंबा करना / विस्तार करना

Untenable (अन्टेनेबल) = Indefensible (इन्डिफेन्सिबल) = असमर्थनीय / जिसका समर्थन न किया जा सके
Antonym – Defensible (डिफेन्सिबल) = समर्थन योग्य / बचाव योग्य

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: NITI Aayog Launches 'National Bio-Economy Roadmap 2030' to Accelerate Sustainable Biomanufacturing and Green Carbon Credits.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने सतत बायो-मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन कार्बन क्रेडिट को गति देने के लिए 'राष्ट्रीय जैव-अर्थव्यवस्था रोडमैप 2030' लॉन्च किया।
केंद्रीय थिंक टैंक नीति आयोग ने भारत की जैव-अर्थव्यवस्था (Bio-Economy) को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक नीतिगत रूपरेखा जारी की है। इस रोडमैप का उद्देश्य कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, उन्नत जैव-ईंधन (Bio-fuels) और टिकाऊ प्लास्टिक विकल्पों के विनिर्माण में नवाचार को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र से देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में महत्वपूर्ण योगदान की रूपरेखा तैयार की गई है।

English Headline: Ministry of Electronics and IT Notifies 'National Quantum Data Grid (NQDG)' to Secure Strategic Transnational Institutional Databases.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने रणनीतिक पारराष्ट्रीय संस्थागत डेटाबेस को सुरक्षित करने के लिए 'राष्ट्रीय क्वांटम डेटा ग्रिड (NQDG)' को अधिसूचित किया।
भारत को साइबर और क्वांटम सुरक्षा के क्षेत्र में अभेद्य बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण संचार ग्रिड योजना को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत देश के शीर्ष बैंकिंग सर्वरों, रक्षा संचार नेटवर्क और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों को उन्नत क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और क्वांटम कुंजी वितरण (QKD) प्रौद्योगिकियों के माध्यम से एक सुरक्षित हब में एकीकृत किया जाएगा।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Acceptance Hot Test of Indigenously Developed High-Thrust Semi-Cryogenic Engine for Future LVM3 Missions.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने भविष्य के LVM3 मिशनों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित उच्च-थ्रस्ट सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया। लिक्विड ऑक्सीजन और केरोसिन से संचालित होने वाला यह इंजन भारत के सबसे भारी रॉकेट LVM3 की पेलोड ले जाने की क्षमता (Payload Capacity) को काफी हद तक बढ़ा देगा, जिससे आगामी चंद्र और डीप-स्पेस मिशनों को भारी बढ़त मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations General Assembly Passes Consensus Resolution to Establish Standardized International Framework on Ethical AI Governance in Public Services.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सार्वजनिक सेवाओं में नैतिक एआई गवर्नेंस पर मानकीकृत बीएसटीसी (BSTC) या अंतर्राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के सत्र के दौरान सभी सदस्य देशों ने प्रशासनिक कार्यों और लोक कल्याणकारी योजनाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के जिम्मेदार उपयोग के लिए वैश्विक सुरक्षा मानकों को अपनाने पर सहमति व्यक्त की। इस नए ढांचे का मुख्य उद्देश्य एल्गोरिथम पूर्वाग्रह (बायस) को कम करना और नागरिकों की डिजिटल गोपनीयता सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Officially Unveils 'Global Anti-Microbial Surveillance Grid 2.0' to Intercept Emerging Drug-Resistant Pathogens.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने उभरते हुए दवा-प्रतिरोधी रोगजनकों (सुपरबग्स) को रोकने के लिए आधिकारिक तौर पर 'वैश्विक एंटी-माइक्रोबियल निगरानी ग्रिड 2.0' का अनावरण किया।
एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बैक्टीरिया की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता (AMR) को वैश्विक संकट मानते हुए डब्ल्यूएचओ ने एक उन्नत डिजिटल नेटवर्क लॉन्च किया है। यह प्रणाली दुनिया भर के अस्पतालों और नैदानिक प्रयोगशालाओं (Labs) से प्राप्त डेटा का वास्तविक समय (रियल-टाइम) में विश्लेषण करेगी, जिससे वैश्विक महामारी की आशंका वाले नए संक्रामक वेरिएंट्स की प्रारंभिक चेतावनी प्राप्त हो सकेगी।

English Headline: International Monetary Fund (IMF) and World Bank Jointly Announce $1.5 Billion Strategic Transition Loan for Developing Island Nations Navigating Climate Vulnerabilities.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक ने जलवायु संवेदनशीलताओं से जूझ रहे विकासशील द्वीपीय देशों के लिए $1.5 बिलियन के रणनीतिक संक्रमण ऋण की संयुक्त घोषणा की।
कठिन जलवायु परिस्थितियों के कारण समुद्र के बढ़ते जलस्तर और चरम मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे छोटे द्वीपीय राष्ट्रों (SIDS) को राहत देने के लिए एक बड़ा वैश्विक वित्तीय पैकेज जारी किया गया है। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से तटीय सुरक्षात्मक बुनियादी ढांचे के निर्माण और सौर-पवन संचालित अक्षय ऊर्जा ग्रिड प्रणालियों के विस्तार के लिए किया जाएगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Comprehensive 'Agritech Start-up Promotion Policy 2026' to Provide Subsidized Digital Infrastructure to Rural Agri-Entrepreneurs.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-उद्यमियों को रियायती डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए व्यापक 'एग्रीटेक स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2026' को मंजूरी दी।
मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को आधुनिक और डिजिटल बनाने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। इस नीति के तहत, ड्रोन-आधारित खेती, स्मार्ट सिंचाई समाधान और डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) विकसित करने वाले युवाओं और स्टार्टअप्स को राज्य सरकार द्वारा सीधे आर्थिक मदद, तकनीकी सहायता और इन्क्यूबेशन सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Launches 'Jal-Jeevan-Haryali Digital Repository' for Monitoring State Wetlands.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य के आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) की निगरानी के लिए 'जल-जीवन-हरियाली डिजिटल रिपॉजिटरी' लॉन्च की।
राज्य के पारंपरिक जल निकायों और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए एक नया सैटेलाइट-लिंक्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। इसके माध्यम से बिहार के विभिन्न जिलों में स्थित आर्द्रभूमियों के क्षेत्रफल, जल स्तर और जैव विविधता की वास्तविक समय में निगरानी की जाएगी, जिससे भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) और जल संचयन की नीतियों को बल मिलेगा।

SPORTS NEWS

English Headline: India's Archery Contingent Clinches Historical Gold Medal in Mixed Team Recurve Event at the Asia Cup Stage 3 Tournament in Tashkent.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने ताशकंद में आयोजित एशिया कप चरण 3 टूर्नामेंट में मिक्स्ड टीम रिकर्व स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता।
ताशकंद में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को पराजित किया। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ ही भारत महाद्वीपीय स्तर की पदक तालिका में शीर्ष स्थानों पर बना हुआ है, जो आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाएगा।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Implements AI-Assisted Smart-Review Technology for Standardizing Ball-Tracking and Boundary Line Violations.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने बॉल-ट्रैकिंग और बाउंड्री लाइन उल्लंघनों को मानकीकृत करने के लिए एआई-सहायता प्राप्त स्मार्ट-रिव्यू तकनीक को औपचारिक रूप से लागू किया।
अंपायरिंग के फैसलों को पूरी तरह से त्रुटिहीन, निष्पक्ष और त्वरित बनाने के उद्देश्य से आईसीसी ने अपनी खेल नियमावली में कड़ा सुधार किया है। नए तकनीकी अपडेट के तहत, आगामी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंटों में सीमा रेखा (बाउंड्री) की विवादित गेंदों की जांच के लिए उच्च-सटीक कैमरों और विशेष एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जिससे मानवीय भूलों की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा

सुबह से लगातार तेज़ बारिश हो रही थी। विद्यालय की छुट्टी के बाद बच्चे घर लौटने लगे। रास्ते में तेज़ हवा के कारण एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया था। कुछ दूरी पर एक बिजली का खंभा भी झुक गया था और उसके पास वर्षा का पानी भरा हुआ था। आसपास खड़े लोगों को आशंका थी कि कहीं बिजली का करंट पानी में न फैल जाए।

कुछ बच्चे उस रास्ते से होकर निकलने ही वाले थे कि तभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक वहाँ पहुँच गए। उन्होंने तुरंत बच्चों को रोकते हुए कहा, "कोई भी उस पानी के पास नहीं जाएगा। जब तक बिजली विभाग यह सुनिश्चित न कर दे कि खतरा टल गया है, तब तक सुरक्षित दूरी बनाए रखना ही सबसे समझदारी है।"

राजू ने पूछा, "सर, अगर हमें समझ में ही न आए कि करंट है या नहीं, तब क्या करें?"

प्रधानाध्यापक ने उत्तर दिया, "बेटा, बिजली दिखाई नहीं देती। इसलिए गिरे हुए बिजली के तार, झुके हुए खंभे, टूटे हुए पेड़ों या उनके आसपास भरे पानी के पास कभी मत जाओ। ऐसे स्थान को हमेशा खतरनाक मानो और तुरंत किसी बड़े व्यक्ति, शिक्षक या बिजली विभाग को सूचना दो।"

थोड़ी ही देर में बिजली विभाग की टीम पहुँची। उन्होंने पहले बिजली आपूर्ति बंद की, फिर खंभे और तारों को सुरक्षित किया। खतरा पूरी तरह समाप्त होने के बाद ही लोगों को वहाँ से गुजरने दिया गया।

अगले दिन प्रार्थना सभा में प्रधानाध्यापक ने बच्चों से कहा, "बरसात के मौसम में बहादुरी का अर्थ जोखिम उठाना नहीं, बल्कि समय रहते सही निर्णय लेना है। आपकी एक छोटी-सी सावधानी आपको बड़ी दुर्घटना से बचा सकती है।"

उस दिन बच्चों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं भी सावधानी बरतेंगे और अपने परिवार तथा पड़ोस के लोगों को भी वर्षा ऋतु में सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करेंगे।

प्रेरणा : प्राकृतिक आपदाएँ अचानक आ सकती हैं, लेकिन सावधानी और सही जानकारी हमें सुरक्षित रखती है। गिरे हुए पेड़ों, बिजली के खंभों, टूटे तारों और जलभराव वाले स्थानों से हमेशा दूर रहें।

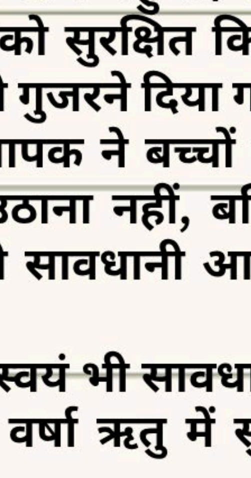

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: रुब्रिक्स और चेकलिस्ट — मूल्यांकन में स्पष्टता और निष्पक्षता

शिक्षक साथियों, अक्सर जब हम बच्चों को कोई गतिविधि देते हैं—जैसे कहानी सुनाना, सुंदर सुलेख लिखना, या विज्ञान का कोई मॉडल बनाना—तो हमारे सामने एक बड़ी दुविधा होती है कि किस बच्चे को कितने अंक दें? कई बार हमारा मूल्यांकन इस बात पर निर्भर कर जाता है कि उस दिन हमारा मूड कैसा है, या वह बच्चा सामान्यतः कक्षा में कैसा प्रदर्शन करता है। इसी व्यक्तिगत पक्षपात (Subjectivity) को दूर करने और मूल्यांकन को पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ (Objective) व पारदर्शी बनाने के लिए चेकलिस्ट और रुब्रिक्स का उपयोग किया जाता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) और NEP 2020 योग्यता-आधारित शिक्षा (Competency-Based Education) पर जोर देते हैं। यहाँ हमें यह नहीं देखना है कि बच्चे ने क्या रटा है, बल्कि यह देखना है कि वह क्या 'कर' सकता है।

1. चेकलिस्ट (Checklist): यह एक बहुत ही सरल उपकरण है जिसमें हाँ/ना (✓ या ✗) के रूप में कुछ बिंदु लिखे होते हैं। इसका उपयोग तब किया जाता है जब हमें केवल यह देखना हो कि कोई व्यवहार या कौशल उपस्थित है या नहीं।
2. रुब्रिक्स (Rubrics): यह चेकलिस्ट से एक कदम आगे का उपकरण है। यह एक स्कोरिंग गाइड या तालिका होती है, जो किसी कार्य के विभिन्न स्तरों (जैसे— उत्कृष्ट, संतोषजनक, सुधार की आवश्यकता) और उनके मापदंडों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है। इसमें बच्चों को भी पहले से पता होता है कि उनसे क्या उम्मीद की जा रही है।

उदाहरण और व्यावहारिक अनुप्रयोग:

आइए इसे प्राथमिक स्तर के दो बहुत ही व्यावहारिक उदाहरणों से समझते हैं।

परिस्थिति 1: कक्षा 2 में 'पठन कौशल' का आकलन (चेकलिस्ट का उपयोग)

आप बच्चों से एक-एक करके हिंदी की किताब पढ़वा रहे हैं। आपने अपने पास एक छोटी चेकलिस्ट बनाई है:

- क्या बच्चा अक्षरों को सही पहचान रहा है? (हाँ / ना)
- क्या बच्चा शब्दों को बिना अटके पढ़ रहा है? (हाँ / ना)
- क्या बच्चा विराम चिन्हों (पूर्ण विराम) पर रुक रहा है? (हाँ / ना)

शिक्षक को बस हर बच्चे के नाम के आगे टिक लगाना है। इससे तुरंत पता चल जाता है कि बच्चे को किस विशेष बिंदु पर मदद की ज़रूरत है।

परिस्थिति 2: कक्षा 5 में 'सुलेख/लेखन प्रतियोगिता' का आकलन (रुब्रिक्स का उपयोग)

मान लीजिए आप बच्चों के लेख का मूल्यांकन करना चाहते हैं। आप 10 में से अंदाज़े से नंबर देने के बजाय नीचे दी गई तालिका (Rubric) का उपयोग करते हैं:

मापदंड (Criteria)उत्कृष्ट (3 अंक)संतोषजनक (2 अंक)सुधार की आवश्यकता (1 अंक)

अक्षरों की बनावट- सभी अक्षर बिल्कुल साफ़ और सही आकार में हैं। || अधिकांश अक्षर साफ़ हैं, कुछ में त्रुटि है। ||अक्षर बहुत टेढ़े-मेढ़े हैं, पढ़ना कठिन है।

शब्दों के बीच दूरी- दो शब्दों के बीच समान और उचित दूरी है। || दूरी कहीं कम तो कहीं ज़्यादा है। || शब्द आपस में सटे हुए हैं या अत्यधिक दूर हैं।

मात्राओं की शुद्धता- एक भी वर्तनी या मात्रा की गलती नहीं है। || 1 से 3 मात्राओं की गलतियाँ हैं। || 3 से अधिक मात्राओं की गलतियाँ हैं।

जब आप इस तालिका के आधार पर किसी बच्चे को कुल अंक (जैसे— 3 + 2 + 1 = 6 अंक) देंगे, तो वह पूरी तरह न्यायसंगत होगा। यदि बच्चा पूछेगा कि "सर, मेरे 2 नंबर कहाँ कटे?" तो आप उसे रुब्रिक दिखाकर समझा सकते हैं कि "आपकी बनावट तो अच्छी थी, लेकिन मात्राओं में सुधार की आवश्यकता है।"

शिक्षक साथियों, रुब्रिक्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह छात्रों के लिए 'स्व-मूल्यांकन' (Self-assessment) का मार्ग प्रशस्त करता है। यदि आप गतिविधि शुरू करने से पहले ही बोर्ड पर रुब्रिक लिख देते हैं, तो बच्चे काम करते समय खुद अपनी कॉपी जांचते हैं कि उनका काम 'उत्कृष्ट' श्रेणी में आ रहा है या नहीं। इससे उनमें अपने काम के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमारा मूल्यांकन बच्चों के लिए एक 'रहस्य' या 'सरप्राइज' नहीं होना चाहिए, बल्कि एक खुला हुआ पैमाना होना चाहिए। चेकलिस्ट और रुब्रिक्स हमें एक निष्पक्ष मार्गदर्शक बनाते हैं और बच्चों को सुधार का स्पष्ट रास्ता दिखाते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि कल की किसी भी गतिविधि में क्या आप एक छोटी सी चेकलिस्ट या रुब्रिक बनाकर अपने मूल्यांकन को और अधिक पारदर्शी बना सकते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

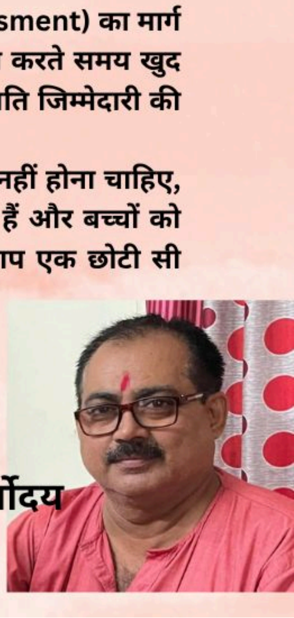

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : भागलपुर, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

अजगैबीनाथ का शिवत्व, सिल्क सिटी की वैश्विक आर्थिकी और कहलगंज का ऊर्जा चक्र

भागलपुर की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके पावन गंगा तटों, ऐतिहासिक मेलों और सांप्रदायिक सद्भाव में धड़कता है, जिसमें सुल्तानगंज का बाबा अजगैबीनाथ धाम सर्वोपरि है। गंगा नदी के बीचों-बीच एक प्राकृतिक चट्टान पर स्थित इस अत्यंत प्राचीन मंदिर को उत्तर भारत की आस्था का मुख्य द्वार माना जाता है। यहीं से उत्तर-वाहिनी गंगा का पवित्र जल (उत्तरवाहिनी जल) लेकर लाखों काँवरिये प्रतिवर्ष सावन के महीने में १०० किलोमीटर की पैदल यात्रा कर झारखंड के देवघर (वैद्यनाथ धाम) जाते हैं। इसके साथ ही, नाथनगर का मंसूर शाह की मज़ार और चंपानगर के ऐतिहासिक जैन मंदिर यहाँ की त्रि-सांस्कृतिक सहिष्णुता (हिंदू-मुस्लिम-जैन) के जीवंत और अटूट प्रतीक हैं, जो अंग प्रदेश की चेतना को सदियों से जोड़े हुए हैं।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर भागलपुर संपूर्ण भारत में अपनी विशिष्ट 'रेशम आर्थिकी' (Silk Economy) के लिए विख्यात है, जिसके कारण इसे 'सिल्क सिटी' कहा जाता है। यहाँ के नाथनगर, चंपानगर और हुसैनाबाद बेल्ट में पीढ़ियों से बन रहा 'भागलपुरी तसर सिल्क' और 'कटिया सिल्क' अपनी अनूठी बनावट, प्राकृतिक रंग और स्थायित्व के लिए वैश्विक स्तर पर मशहूर हैं, जिसे भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्राप्त है। इस उद्योग से जुड़े हज़ारों बुनकर परिवार (जुलाहे और तांती) सूत कताई से लेकर हैंडलूम और पावरलूम पर कपड़ा तैयार कर इसे सूफ़ियाना कलात्मकता देते हैं, जिसका निर्यात यूरोप, अमेरिका और जापान के फैशन बाज़ारों तक होता है।

इस जिले के औद्योगिक परिदृश्य में एनटीपीसी (NTPC) कहलगंज का स्थान मील का पत्थर है, जो अपनी विशाल उत्पादन क्षमता से समूचे पूर्वी भारत को निर्बाध ऊर्जा की आत्मनिर्भरता प्रदान करता है। कुटीर उद्योगों की बात करें तो भागलपुर के सबौर में स्थित बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU) के तकनीकी सहयोग से यहाँ का 'जर्दालु आम' प्रसंस्करण क्लस्टर और कछारों में विस्तृत मशरूम व शहद उत्पादन की ग्रामीण कड़ियाँ तेज़ी से उभर रही हैं। इसके अतिरिक्त, नवगछिया बेल्ट की थोक केला मंडी उत्तर बिहार की फल आर्थिकी को एक मज़बूत वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करती है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो भागलपुर में 'टेक्सटाइल पार्क' और 'हेरिटेज-लॉजिस्टिक्स हब' बनने की अपार क्षमताएं हैं। गंगा नदी पर बने नवनिर्मित फोर-लेन पुलों और भागलपुर-हंसडीहा फोर-लेन सड़क ने इसे झारखंड के कोयला बेल्ट और कोलकाता बंदरगाह से सीधे जोड़ दिया है। सिल्क उद्योग को आधुनिक डिज़ाइन सेंटर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से जोड़कर 'लोकल फॉर वोकल' को वैश्विक विस्तार दिया जा रहा है। विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य, सुल्तानगंज और विक्रमशिला के पुरातात्विक खंडहरों को एक एकीकृत पर्यटन ग्रिड में पिरोकर यहाँ 'पारिस्थितिक-सांस्कृतिक पर्यटन' (Eco-Cultural Tourism) को नए पंख दिए जा रहे हैं, जो स्थानीय युवाओं को हज़ारों प्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने में पूरी तरह सक्षम है।

भागलपुर का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपनी रेशमी धागों की तरह ही कोमल परंतु अपने ऐतिहासिक इरादों की तरह ही मज़बूत आर्थिकी का स्वामी है। अजगैबीनाथ के बोल-बम के जयकारों से लेकर नाथनगर के लूम (Looms) की खट-खट आवाज़ तक, कहलगंज की चिमनियों की धड़कन से लेकर जर्दालु आम के बागानों की महक तक—भागलपुर आत्मनिर्भर बिहार का एक संपूर्ण और प्रेरणादायक ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस विशिष्ट क्लस्टर आर्थिकी, जीआई-टैग उत्पादों के वैश्विक विपणन और सांस्कृतिक-पर्यावरणीय पर्यटन (Dolphin Conservation Tourism) के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अत्यंत सटीक और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

............✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

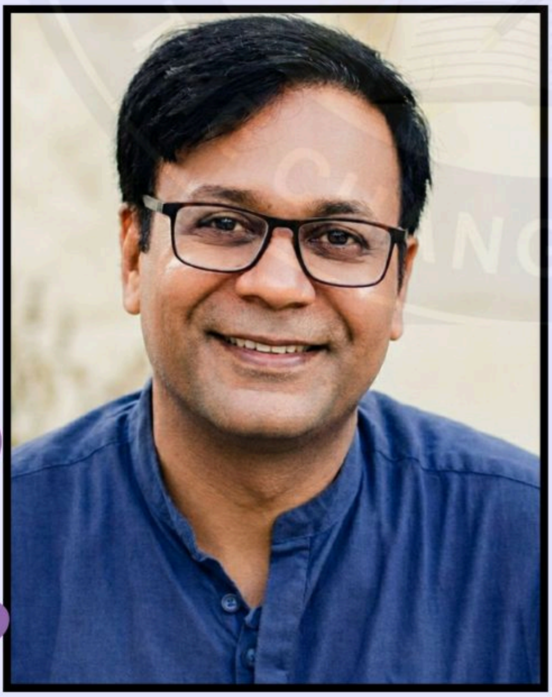

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org